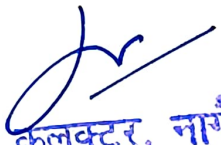


श. पा. पा. क्र. 114/18

20.9.29

बहुलाप उपा। प्रायोगिक की मूल शक्ति
विस्तृत विवेचन के साथ, विवेचन की जा चुकी-
ई, के द्वारा प्राप्त प्रार्थना पत्र का
निष्पत्ति किया जाता है। पत्रावली के द्वारा
शुभारंभ हो केवल के कुछ दोषों का
दफ्तार हो


अपर कलेक्टर, नागौर